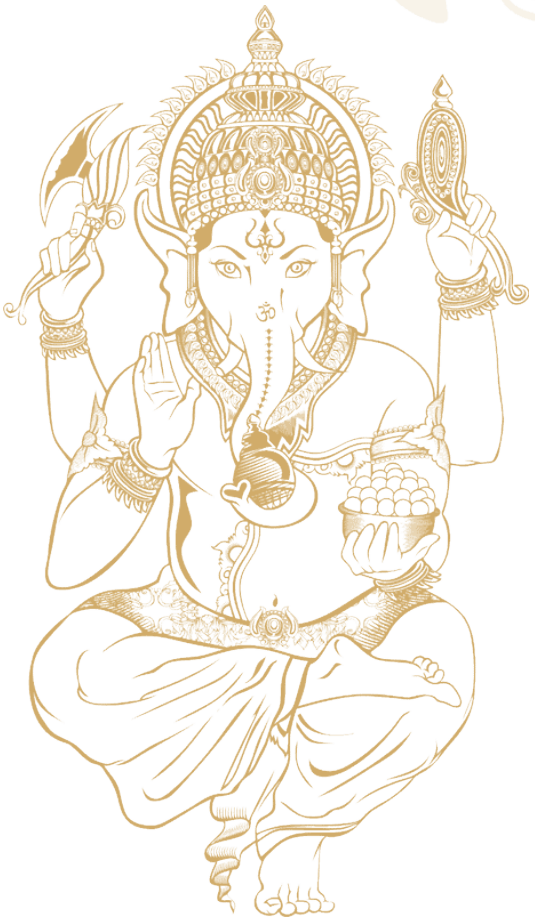

Krishan

04 Sep 1994

09:08 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121648105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/09/1994**
दिन	रविवार
जन्म समय	**21:08:00 घंटे**
इष्ट	37:48:49 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:46:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:50 घंटे
साम्पातिक काल	19:40:58 घंटे
सूर्योदय	06:00:28 घंटे
सूर्यास्त	18:39:33 घंटे
दिनमान	12:39:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:05:20 सिंह
लग्न के अंश	11:03:46 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	11:03:46	466:33:06	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
सूर्य			सिंह	18:05:20	00:58:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	03:20:49	13:56:21	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			मिथु	18:17:26	00:37:33	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			कन्या	06:54:31	01:33:12	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु			तुला	16:35:08	00:09:31	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	03:35:18	00:52:20	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	14:59:56	00:04:34	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	23:15:40	00:10:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	23:15:40	00:10:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:54:22	00:01:18	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	26:59:45	00:00:52	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	01:44:33	00:01:00	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			धनु	29:36:21	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:11

लग्न-चलित

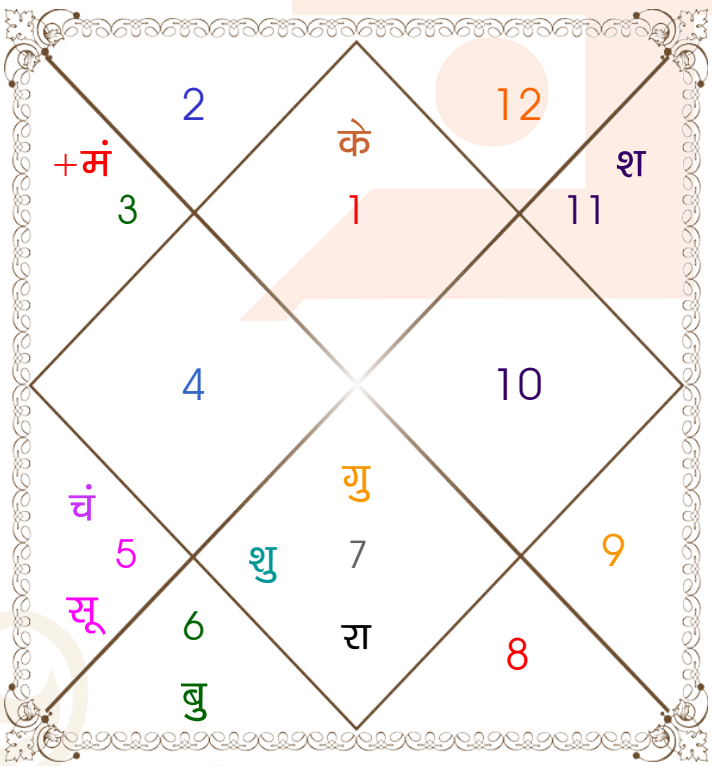

चन्द्र कुंडली

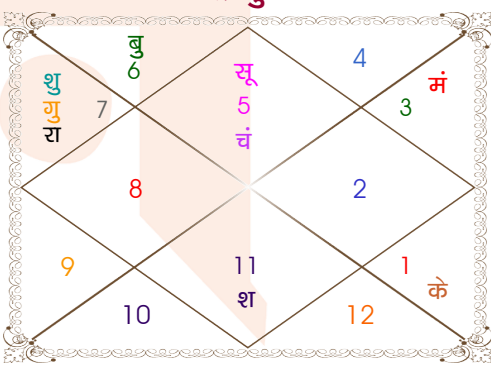

नवमांश कुंडली

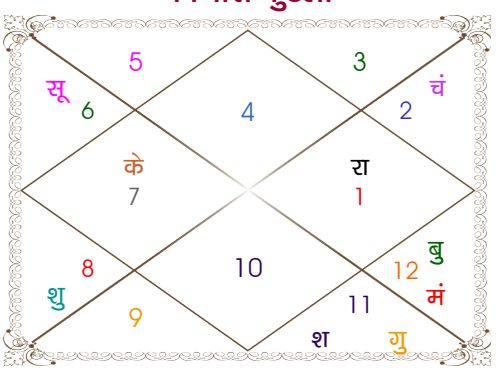

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/09/1994		02/12/1999		02/12/2019		02/12/2025		02/12/2035	
02/12/1999		02/12/2019		02/12/2025		02/12/2035		02/12/2042	
	00/00/0000	शुक्र	03/04/2003	सूर्य	21/03/2020	चंद्र	02/10/2026	मंगल	29/04/2036
	04/09/1994	सूर्य	02/04/2004	चंद्र	20/09/2020	मंगल	03/05/2027	राहु	18/05/2037
सूर्य	05/11/1994	चंद्र	02/12/2005	मंगल	25/01/2021	राहु	01/11/2028	गुरु	24/04/2038
चंद्र	06/06/1995	मंगल	01/02/2007	राहु	20/12/2021	गुरु	03/03/2030	शनि	03/06/2039
मंगल	02/11/1995	राहु	01/02/2010	गुरु	08/10/2022	शनि	02/10/2031	बुध	30/05/2040
राहु	19/11/1996	गुरु	02/10/2012	शनि	20/09/2023	बुध	03/03/2033	केतु	26/10/2040
गुरु	26/10/1997	शनि	02/12/2015	बुध	27/07/2024	केतु	02/10/2033	शुक्र	26/12/2041
शनि	05/12/1998	बुध	02/10/2018	केतु	02/12/2024	शुक्र	03/06/2035	सूर्य	03/05/2042
बुध	02/12/1999	केतु	02/12/2019	शुक्र	02/12/2025	सूर्य	02/12/2035	चंद्र	02/12/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/12/2042		02/12/2060		02/12/2076		02/12/2095		03/12/2112	
02/12/2060		02/12/2076		02/12/2095		03/12/2112		00/00/0000	
राहु	14/08/2045	गुरु	20/01/2063	शनि	05/12/2079	बुध	30/04/2098	केतु	01/05/2113
गुरु	08/01/2048	शनि	02/08/2065	बुध	15/08/2082	केतु	27/04/2099	शुक्र	01/07/2114
शनि	14/11/2050	बुध	08/11/2067	केतु	23/09/2083	शुक्र	26/02/2102	सूर्य	05/09/2114
बुध	02/06/2053	केतु	14/10/2068	शुक्र	23/11/2086	सूर्य	03/01/2103		00/00/0000
केतु	21/06/2054	शुक्र	15/06/2071	सूर्य	05/11/2087	चंद्र	03/06/2104		00/00/0000
शुक्र	20/06/2057	सूर्य	02/04/2072	चंद्र	05/06/2089	मंगल	31/05/2105		00/00/0000
सूर्य	15/05/2058	चंद्र	02/08/2073	मंगल	15/07/2090	राहु	19/12/2107		00/00/0000
चंद्र	14/11/2059	मंगल	09/07/2074	राहु	21/05/2093	गुरु	25/03/2110		00/00/0000
मंगल	02/12/2060	राहु	02/12/2076	गुरु	02/12/2095	शनि	03/12/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगे। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाले, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाले एक अच्छे भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति के प्राणी हैं। आप अकेले अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करते हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेते हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकते हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेते है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देते हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान है। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेते हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेते हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहते हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकते हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगे क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव के सौम्य पुरुष हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहते हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगे। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगे। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगा। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकते हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्धटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती है। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का सेवन महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग का त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।